खबर संक्षेप

दिलीप राजपूत का हृदयाघात के कारण निधन

भुआबिछिया। समीपी ग्राम नेवसा निवासी लेखन राजपूत के भतीजे एवं जिला न्यायालय मण्डला में पदस्थ दिलीप राजपूत का 07.05.2024 को हृदयाघात के कारण जबलपुर में शाम 4.00 बजे स्वर्गवास हो गया है। अंतिम संस्कार कल दिन बुधवार 8 मई को प्रातः 9.30 बजे गृह ग्राम नेवसा में किया जाएगा।

म.प्र. राज्य पुरूष हॉकी अकादमी हेतु प्रतिभा चयन 09 मई 2024 को

मण्डला। खेल और युवा कल्याण विभाग म.प्र. द्वारा संचालित म.प्र. राज्य पुरूष हॉकी अकादमी भोपाल हेतु वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम दिनांक 09 मई 2024 को सायं 04:30 बजे से मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम सिवनी में किया जा रहा है। जिसका अंतिम चयन कार्यक्रम दिनांक 27 मई से 29 मई 2024 तक मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम भोपाल में होना है। इस प्रतिभा चयन कार्यक्रम में मण्डला जिले के खिलाड़ी भाग ले सकते है। खिलाड़ियों को चयन के समय आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मूल/स्थानीय निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति उपस्थित होनो अनिवार्य है।

समीक्षा से सीखने और सुधार करने की आवश्यकता

मण्डला। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन कर उनके टीकाकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रत्येक गर्भवती महिला की प्रीवियस हिस्ट्री का अध्ययन करते हुए आवश्यकतानुसार उनकी जांच कराएं। जांच परिणामों के आधार पर उनकी काउंसलिंग तथा उपचार की व्यवस्था करें। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को सशक्त बनाएं। कलेक्टर ने कहा कि मातृ तथा शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित करने में आशा कार्यकर्ता, एएनएम तथा सीएचओ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। समीक्षा बैठकों से सीखते हुए अपने कार्यों में सुधार करने की आवश्यकता है।

खातों में अंतरित हुई राशि और किसी को पता भी नहीं ?

अब सफाई देते फिर रहे शिक्षक

*** शिक्षा विभाग में लाखों का गबन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

शिक्षा विभाग में पदस्थ किसी शिक्षक के खाते में अचानक से लाखों रूपये आ जायें और उसे इसकी भनक भी न लगे यह समझ से परे है। जिन शिक्षकों को इसकी जानकारी लगी उनका कहना है कि उन्हें नहीं पता कि राशि कहां से आई आज के डिजीटल युग में यदि आपके खाते में कोई भी लेन-देन आपकी जानकारी के बगैर हो रहा है तो उसके लिये तुरंत कार्यवाही का प्रावधान है और विभिन्न माध्यमों से यह स्पष्ट हो जाता है कि राशि आपकी है या नहीं और किस माध्यम से आपके खाते में आई है लेकिन मार्च में आई राशि का आंकलन मई माह तक नहीं हो पाया और जब जांच एजेंसियों ने जांच की तब इस गड़बड़झाले का खुलासा हुआ तो ये शिक्षक यहां-वहां सफाई देते फिर रहे हैं। पहले इन्होंने यह हल्ला क्यों नहीं किया, क्यों नहीं सार्वजनिक किया कि उनके खाते में लाखों की राशि आई तो आई कहां से। राशि भी छोटी-मोटी नहीं। 10-20 लाख से लेकर 50 लाख तक की राशि खातों में अंतरित हुई है जिसका कोई हिसाब नहीं।

खंड शिक्षा अधिकारी पर लगे प्रश्नचिन्ह

खंड शिक्षा विभाग निवास कार्यालय के शातिर कम्प्यूटर ऑपरेटर को ऑफिसियल सीक्रेट लॉगिंग पासवर्ड उपलब्ध कराना और भुगतान के पूर्व जिम्मेदार अधिकारी के मोबाइल पर आने वाली ओटीपी के बिना कोई भी भुगतान असंभव है और इस गबन कांड में पदस्थ खंड शिक्षा अधिकारी पाक साफ नहीं रह सकतीं, जाँच टीम ने बीते चार सालों के दरमियान हुई शासकीय राशि की हेराफेरी में जांच के बाद बावन लाख पेंतालिस हजार रुपये गबन किये जाने की पुष्टि की है।

लेकिन मार्च माह में करोड़ों की राशि सत्रह शिक्षकों के खातों में ट्रांसफर की गई है इस मामले में पूर्व के दो बीईओ को लपेतटे हुए दोषी ठहराया जाना अनैतिक है।

इसका सीधा मतलब है कि शिक्षा विभाग के कई अधिकारी इस पूरे गबन के मामले में लिप्त है नहीं तो एक दैनिक वेतन भोगी कम्प्यूटर ऑपरेटर की इतनी हिम्मत कहाँ जो इतनी बड़ी शासकीय राशि को खुर्दबुर्द और बंदरबांट कर सके।

दूसरा बड़ा प्रश्न यह भी है कि चार सालों से चल रहे इस हेरफेर के मामले पर शासन-प्रशासन और जांच एजेंसी ने समय रहते संज्ञान में क्यों नहीं लिया।

मंडला जिले में शिक्षा विभाग के निवास विकासखंड में गबन का ये पहला मामला है जिसमें अनेकों शिक्षकों की मृत्यु वर्ष 2020 या पूर्व में हो चुकी है लेकिन संगठित लूट में शामिल कर्मचारियों ने इसको न सिर्फ शासकीय रिकॉर्ड में जीवित बल्कि महीने के औसत दिन नोकरी करने का रिकार्ड संधारित करते हुये अनेकों के अलावा एक फौत शिक्षक के नाम 52 महीने की सैलरी की रकम कंप्यूटर ऑपरेटर अपने व अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर करता रहा, साथ ही इसी मरे हुये शिक्षक के वारसान को पेंशन भी मिल रही है, इसके अलावा इस बड़ी जालसाजी में कंप्यूटर ऑपरेटर सुनील बर्मन और इसके सहयोगियों ने ही नहीं बल्कि जिला स्तर के कर्मचारी और ट्रेजरी कार्यालय के बड़े मास्टर माइंड कर्मचारियों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता निम्न सभी मृतक ज्ञान सिंह धुमकेती, चमरू लाल मार्को, योगेंद्र प्रसाद झरिया, भागचंद परस्ते उक्त सभी न्यू पेंशन नीति की पात्रता रखते थे इन सभी के नाम की मासिक सैलरी सुनील बर्मन अपनी पत्नी सविता बर्मन के खाते में सैंतीस लाख परिवार के ही सुमन लाल बर्मन की पत्नी कविता के खाते में 33 लाख ट्रांसफर कर पूरे परिवार को मालामाल कर डाला।

इसी तरह एक फौत सहायक शिक्षक ज्ञान सिंह धुमकेति के मरने के बाद 22 लाख 41 हजार सैलरी के नाम से निकाली गई है।

इन 17 शिक्षकों के खाते में ट्रांसफर की गई शासकीय राशि

विशम्भर प्रसाद दुबे, सेवाराम उटिये, गेंद सिंह तेकाम, संतोष कुमार सैयाम, पहलवती मरावी, देवेंद्र कुमार धुर्वे, सुमन लाल बर्मन, नरेंद्र प्रसाद मरावी, शुश्री सविता, मौसमी सिंगरौरे, मिस दिव्या मसराम, कविता बर्मन, बसमतिया मरावी, वंदना तेकाम, प्रताप सिंह मार्को, मंगलिया कुंजाम, राधा बाई धुर्वे उक्त सभी शिक्षकों के खाते में मार्च माह में डाली गई कुल राशि 3,09,87,097 है ज्ञात हो कि उक्त ट्रांसफर की गई राशि वर्तमान में पदस्थ खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सोभा अय्यर के समय की है, ऐसे में बीईओ का यह कहना कि उक्त घोटाला मेरे समय का नहीं है यह शासन प्रशासन व जांच दल को पूर्णतः भ्रमित करने से ज्यादा कुछ नहीं है।

सत्र बीत जाता छात्रों को समय पर नहीं मिल पाती छात्रवृत्ति

बीते कई सालों से सुनने मिल रहा है कि विकासखंड के अनेकों स्कूलों के कई छात्रों को शासन से मिलने वाली छात्रवृत्ति नहीं मिल पाती है, बार बार प्रयास करने के बाद असफल होकर छात्र या पालक उक्त पैसों की आस ही छोड़ देते हैं, और फिर काफी महीने या वर्ष बीत जाने कद बाद कुल राशि पर ऐसे चालाक लोगों की नीयत खराब होने लग जाती है और फिर परिणाम घोटाले के रूप में सामने आ ही जाते हैं।

उक्त कंप्यूटर हेंडिल करने वाले ने छात्रवृत्ति के लगभग एक लाख रुपये भी अपने चहेतों के खातों में ट्रांसफर किया है।

बुधवारी बाजार स्थित दूकानों में आग का कहर

नैनपुर। बुधवारी बाजार स्थित दुकानों में बीती रात आग ने अपना कहर बरपाया। आगजनी की इस घटना में तीन दूकाने जलकर खाक हो गई। आग इतनी भयावह थी कि इसे काबू पाने में दो घंटे मशक्कत करनी पड़ी। दो दमकल की गाडियों और जेसीबी मशीन के साथ नगर पालिका का अमला, स्थानीय प्रशासन और सैकड़ो नागरिकों ने घंटो प्रयास किया तब कही जाकर बमुश्किल आग बुझाई जा सकी। इस दौरान नगर में विद्युत प्रवाह भी बाधित रहा। जानकारी अनुसार आग बुधवारी बाजार मुख्य मार्ग स्थित एक जूते चप्पल की दूकान से शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने अपनी बगल वाली दुकानों को भी चपेट में ले लिया। जिसमें एक कपड़ा दूकान और एक अन्य दूकान तक आग फैल गई। जब तक इसकी सूचना पाकर दमकल का अमला और स्थानीय लोग सक्रिय होते तब तक ऊंची ऊंची लपटों के साथ आग का तांडव नजर आने लगा था। दूकाने टीन की छप्पर और चादरों से ढकी होने के कारण फायर फाइटर का पानी इसके अंदर नही जा रहा था। लिहाजा तत्काल जेसीबी मशीन बुलाकर दूकानों के छज्जे और छतों को तोड़ा गया। तब कही जाकर आग की लपटों पर नियंत्रण पाया गया। बताया गया कि वहीं पास की ही दूकान में गैस की कुछ खाली और भरी टंकियां रखी हुई थी। तत्काल आगजनी को देखते हुए इन्हें वहां से हटाकर अलग किया गया। वरना हादसा और भी भयावह हो सकता था। यह तो अच्छा था कि घटना के दौरान सड़को में आवाजाही और चहल पहल थी। जिससे लोग तत्काल सक्रिय हो गए नहीं तो आग का तांडव समूची बुधवारी बाजार में अपना जमकर कहर बरपाता।

सेवा के लिए मजबूत इच्छाशक्ति और नीयत आवश्यक-डॉ. सिडाना

*** अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस मनाया गया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि रेडक्रॉस सेवा का एक सशक्त माध्यम है। जब सहायता के सभी विकल्प समाप्त हो जाते हैं तब रेडक्रॉस सहयोगी बनता है। कठिन समय में लोगों को सहयोग कर रेडक्रॉस ने समाज का विश्वास अर्जित किया है जिसका परिणाम है कि लोग स्वप्रेरणा से इस समिति से जुड़ रहे हैं।

कलेक्टर ने रेडक्रॉस के माध्यम से मंडला जिले में किए गए सहयोग के कार्यों का उल्लेख करते हुए आमजन से भी भागीदारी करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस की सहायता से अनेक जिंदगियों में बदलाव हुआ है। सेवा के लिए मजबूत इच्छाशक्ति और नीयत आवश्यक है। रेडक्रॉस की सफलता का श्रेय उन दानदाताओं को जाता है जिन्होंने अपनी सामर्थ्य के अनुरूप सहयोग प्रदान करते हुए समिति को सेवा कार्यों के लिए सक्षम बनाया है। डॉ. सिडाना ने उपस्थित लोगों को भी रेडक्रॉस के माध्यम से सेवा कार्यों में जुड़ने का आव्हान किया। अपने संबोधन के दौरान कलेक्टर ने जून माह में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की भी जानकारी देते हुए सभी से सहयोग की अपील की। इससे पूर्व सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे द्वारा कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेवाभावी समाजसेवियों का सम्मान किया गया। नगरपालिका सभाकक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. केसी सरौते, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े, प्राचार्य कल्पना नामदेव एवं मुकेश पांडे, रेडक्रॉस सोसायटी सदस्य, स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया। आभार प्रदर्शन राजेश क्षत्री द्वारा किया गया।

जैन मंदिर पड़ाव में गुरूउपकार महोत्सव का आयोजन

मण्डला। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर पड़ाव में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर द्वारा आयोजित किया जा रहा है शिविर को बालक-बालिकाओं में धार्मिक संस्कारों के बीजारोपण एवं धर्म को जीवंत बनाये रखने का श्रेष्ठ अवसर बताया जा रहा है प्रतिदिन शिविर में सुबह-शाम एवं रात्रि में श्री इष्टोपदेश, श्री भक्तामर, श्री रत्नाकर द्वारा दिया जा रहा है बच्चों के लिये पाठशाला के साथ-साथ प्रतिदिन उत्साहवर्धन हेतु पुरूस्कार भी वितरित किये जा रहे हैं शिविर में प्रतिदिन बच्चों के साथ-साथ बड़े भी भाग ले रहे हैं और वे भी प्रतिदिन कक्षा में उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं इस आयोजन में पंचायती मंदिर पड़ाव की समस्त ट्रस्ट कमेटी पूर्णरूप से सहयोग कर रही है।

नर्मदा परिक्रमा | **उत्तरवाहिनी मां नर्मदा परिक्रमा में बढ़ती जा रही आस्था।**

तुर्की से उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने पहुंचे दिनेश

*** आज व्यास नारायण में जल अर्पित कर संपन्न करेंगे परिक्रमा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

इन दिनों माँ नर्मदा परिक्रमा करने वाले भक्तों को नर्मदा पथ मार्ग में आसानी से कहीं भी देखा जा सकता है, लेकिन आज हम एक ऐसे माँ नर्मदा भक्त से रूबरू होंगे, जो सात समंदर पार तुर्की से आकर माँ नर्मदा के प्रति आस्था और जूनून से विगत वर्षो से माँ नर्मदा की परिक्रमा अलग अलग तरह से कर रहे है। भारत देश के मूलतः पुणे निवासी दिनेश फड़के फिलहाल तुर्की देश में निवास कर रहे है। नर्मदा भक्त दिनेश आईटी क्षेत्र में एक प्रोजेक्ट मैनेजर है। ये आईटी क्षेत्र में होने के कारण अलग-अलग देशों में अपनी सेवाएं देते है। नर्मदा भक्त दिनेश दुबई में भी रह चुके है। दिनेश फड़के का माँ नर्मदा के प्रति आस्था इतनी है कि यह अपने काम से छुट्टी लेकर माँ नर्मदा की परिक्रमा कर रहे है। दिनेश इस बार मंडला जिला पहुंचे, जहां उन्होंने माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा का संकल्प लेकर यात्रा प्रारंभ की।

माँ नर्मदा के प्रति आस्था और जूनून ने इनके मन में इतनी भक्ती भर दी है कि वह इस बार माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने का मन बना लिए और फिर सात संमदर पार कर 18 घंटे के हवाई सफर के बाद भारत पहुंच गए। इन्होंने सात समंदर पार ही इंदौर के तिलकवाड़ा में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा करने का मन बना लिया था, जिसके लिए इन्होंने तैयारी भी कर ली थी, लेकिन तिलकवाड़ा में विगत 04 मई को ही उत्तरवाहिनी परिक्रमा का समापन हो गया और वे निराश हो गए। इसके बाद उन्होंने पुणे में अपने परिचितों से संपर्क किया। जहां उन्हे नर्मदा परिक्रमा कर चुके भक्तों से पता चला कि मंडला में उत्तरवाहिनी परिक्रमा चल रही है। जिसके बाद नर्मदा भक्त भारत पहुंचते ही इनके मन में विचार आया और ये माहिष्मती नगरी मंडला पहुंच गए। यहां उन्होंने मंडला नगर के व्यास नारायण मंदिर में परिक्रमा के लिए संकल्प पूजन कर उत्तरवाहिनी परिक्रमा प्रारंभ की। परिक्रमा के दौरान सूर्य भी अपनी प्रचंडता से अपने तेवर दिखा रहे थे, लेकिन नर्मदा भक्त दिनेश के पांव नहीं रूके, तेज तपन और सूर्यदेव की तीखी किरणों के कारण उनके पैरों में छाले भी आ गए, लेकिन माँ नर्मदा के प्रति उनकी आस्था ने उनके पैरों को थमने नहीं दिया। वे माँ नर्मदा का नाम लेते आगे बढ़ते चले गए।

बताया गया कि माँ नर्मदा के प्रति आस्था रखने वालों की कमी नहीं है। मंडला में मां नर्मदा के दक्षिण तट में संगम घाट से घाघी उत्तर तट तक के अनुसार किले घाट से बबैहा तक करीब 21 किमी तक माँ नर्मदा का प्रवाह उत्तर दिशा की ओर है और चैत्र मास में की गई उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा को शास्त्रों में संपूर्ण नर्मदा परिक्रमा के बराबर पुण्यदायक बताया गया है। इसी को देखते हुए समिति द्वारा विगत चार वर्ष से उत्तरवाहिनी परिक्रमा का आयोजन कर रही है। इस बार की परिक्रमा का आयोजन खासतौर पर महाराष्ट्र समेत अन्य प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए खास रहा। महाराष्ट्र राज्य की गणना पद्धति और हमारी गणना पद्धति में 15 दिनों का अंतर है इसलिए उनके अनुसार चैत्र मास 08 मई तक है। जिसके चलते अंतिम दिन भी सैकड़ों नर्मदा भक्त महाराष्ट्र, मुम्बई समेत अन्य प्रदेशों से पहुंचे।

बताया गया कि बारिश के चार माह को छोड़कर वर्ष भर मंडला नगरी में नर्मदा भक्तों को नर्मदा परिक्रमा पथ मार्ग पर देखा जाता है। माँ की परिक्रमा करने युवा से लेकर बुजुर्ग, महिला-पुरुष के साथ बच्चे भी अपना घर-परिवार छोड़कर नर्मदा परिक्रमावासी बन निकल पड़ते हैं। संसार की सारी सुख, सुविधाएं, परेशानियों को त्याग कर माँ की परिक्रमा में निकल पड़ते है। इन्हें भोजन और पानी की भी चिंता नहीं रहती है। नर्मदा भक्त माँ के भरोसे अपने कद आगे बढ़ाते चलते है। उन्हें अपनी माई पर पूरा विश्वास रहता है कि माई हमारे भोजन पानी का स्वयं इंतजाम कर देगी। होता वैसे ही है, जैसा माँ ने सोचकर रखा है, कोई भी परिक्रमावासी माँ नर्मदा के परिक्रमा पथ मार्ग पर पडऩे वाले कस्बों, शहरों, गांवों से गुजरते है तो वहां के रहवासी स्वयं ही उनके भोजन-पानी के साथ उनके रूकने तक की व्यवस्था कर देते है।

भगवान परशुराम जी की जयंती के अवसर पर महिलाओं ने किया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

दिनांक 06.05.2024 को सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंडल द्वारा सुहागले पूजा की गई माहिष्मती महिला समाज की अध्यक्ष संगीता गर्ग ने बताया कि सुहागले माता पूजन के बाद सभी मात्र शक्तियों माता जी आशीर्वाद लिया और स्वल्पाहार करने के उपरांत श्री परशुराम भगवान जैन उत्सव मनाने हेतु प्लानिंग की गई एवं समाज को एक सूत्र में बंधी रखने पर मजबूती प्रदान करने हेतु चर्चा की गई समस्त मां शक्तियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने विचार व्यक्त किया 10 मई अक्षय तृतीया के दिन श्री भगवान परशुराम का जन्म उत्सव मनाया जाएगा एवं धूमधाम से शोभा यात्रा निकाली जाएगी समाज की मात्र शक्तियों द्वारा छोटे-छोटे से कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं एवं समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थिति मात्र शक्तियों.. अध्यक्ष संगीता गर्ग मार्गदर्शक श्रीमती अरुणा दीक्षित स्नेह लता दुबे निशा पांडे श्रीमती संध्या पांडे दीप्ति जोशी निशा गर्ग अन्नू तिवारी रत्ना गर्ग ममता पाण्डे श्रद्धा शुक्ला ज्योति शुक्ला अंजू शुक्ला साधना बाजपेई ज्योति द्विवेदी सीता तिवारी सरिता उपाध्याय लक्ष्मी भट्ट उषा भट्ट परी पांडे पूर्णिमा मिश्रा नीता तिवारी कल्पना पांडे सरिता शुक्ला आरती शर्मा नेहा मिश्रा अल्का मिश्रा अर्चना दुबे पिंकी भट्ट श्रेया मिश्रा मुन्नी तिवारी यमुना पाठक आरती उपाध्याय शिवानी मिश्रा ज्योति मिश्रा भावना मिश्रा राधा दुबे प्रियंका तिवारी नीलू तिवारी नीता दीक्षित रोशनी तिवारी अर्चना पांडे आस्था उपाध्याय सुषमा पांडे और भी मातृ शक्तियां कार्यक्रम में बढ़कर हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

लगातार गायब हो रही सड़कों के किनारे लगी लोहे की सुरक्षा पट्टी?

गाडरवारा। जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामलो में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है, वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है, क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडे होते हुए देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है? क्योंकि प्रतिदिन पुलिस द्वारा रात्रि कालीन गस्त व्यवस्था लगाई जाती है जिसमें एक गस्त लोकल स्तर की होती है और एक गस्त संभागीय स्तर की होती है जिसमें गस्त अधिकारी संपूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्र की निगरानी करता है, इसके बाद भी यह पट्टी चोरी होना निश्चित ही चिंता का विषय बना हुआ है? क्योंकि इन पट्टियों को जब कोई चोरी करेगा तो निश्चित ही वह किसी न किसी वाहन का उपयोग करता होगा इसके बाद भी पुलिस की नजर में न आना अनेक संदेहों का पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो इन लोहे की पट्टियों को पार करने वाले द्वारा निश्चित ही उनका विक्रय किसी न किसी कबाड़ी के पास किया जाता होगा? क्योंकि इस समय नगर में जिस प्रकार से कबाड़े का कारोबार कुलियों से लेकर खेतों में फैला हुआ है उसके चलते इस प्रकार से लोहे की सामग्री को बढ़ावा देने में कोई कसर ही छोड़ रहा है? मगर इसके इसके बाद भी इस प्रकार से कबाड़ियो के प्रति पुलिस की मेहबानी चर्चा का विषय बनते हुए देखी जा रही है।

नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगना जरूरी

सालीचौका। इन दिनों सालीचौका क्षेत्र की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थो का अवैध कारोबार लगातार अपनी गति पकड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। बताया जाता है कि शराब के बाद क्षेत्र में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? नगर में आसानी से मिलने वाली महँगी सिगरेटो के फूंकने के दौरान युवाओं, किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है। वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक है, मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदी हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है, जागरूक क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शायद पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देख भाल की सीधी जिम्मेदारी है।

घोषणा तक सीमित होकर रह गई बम्हौरी कला पुलिस चौकी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

प्रदेश से लेकर जिला में ग्रामीण क्षेत्रों की कानून व्यवस्था में सुधार लाने के लिये जहां आये दिन नये नये पुलिस थानों से लेकर पुलिस चौकियों की घोषणा करते हुये वहां पर जिम्मेदार अधिकारियों को बैठाया जा रहा है। इसी प्रकार से प्रदेश शासन द्वारा नई चौकियों की स्थापना की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कुछ वर्ष पहले दो नई पुलिस चौकी स्थापना की घोषणा होने के बाद जब यह खबर अखबारों में आई हुई थी तो लोगों में इस बात की खुशी थी कि निश्चित तौर से हमारे क्षेत्र की कानून व्यवस्था में सुधार देखने मिलेगा मगर वह घोषणा आज भी घोषणा तक ही सीमित होते हुये जान पड़ रही है। कुछ वर्ष पहले गाडरवारा तहसील क्षेत्र के लिये नई पुलिस चौकी स्थापित होने की घोषणा के अनुसार बताया जाता है कि डोगरगांव पुलिस थाने के अंतर्गत ग्राम कल्याणपुर तथा सांईखेडा पुलिस थाने के अंतर्गत ग्राम बम्हौरी में नई पुलिस चौकी स्थापित होना थी। इन चौकियों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो ग्राम कल्याणपुर में नई पुलिस चौकी की स्थापना को लेकर शुरूआत तो हो चुकी है। मगर यही पर काम करने के लिये डोगरगांव पुलिस थाने में पदस्थ कभी किसी ए एस आई तो कभी किसी हबलादार को भेज दिया जाता है जो अपनी चौकी को खुलने की औपचारिकता पूर्ण कर ली जाती है। यहां पर अभी तक न तो विधिवत रूप से पुलिस चौकी का निर्माण हुआ है और न ही पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी के रूप में किसी पुलिस अधिकारी को नियुक्त किया गया है। वही दूसरी ओर इससे बुरा हाल सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाली बम्हौरी कला पुलिस चौकी का देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि घोषणा के कुछ दिनों के उपरांत यहां पर पुलिस चौकी स्थापना को लेकर हलचले तो शुरू हुई थी जिसके चलते ग्राम बम्हौरी में चौकी स्थापना को लेकर एक भवन का रंग रोगन करते हुये उसे उसी हाल में छोड़ देने के कारण जहां पुलिस चौकी के नाम से सजे हुये इस भवन में गंदगी का अम्बार देखने मिल रहा है जो सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रहण लगाने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर ग्रामवासियों ने चर्चा के दौरान बताया गया आज तक यहां पर न तो कोई अधिकारी आया है और न ही कोई कर्मचारी सिर्फ कुछ माह पहले यहां पर पुलिस चौकी के नाम पर एक भवन की पुताई कराते हुये छोड़ दिया गया है? इस सच्चाई को देखते हुये यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शासन पुलिस चौकियों की स्थापना की घोषणा मात्र मंच तक ही सीमित होकर रह चुकी है? हो सकता है कि पुलिस विभाग के कागजों में यह पुलिस चौकिया पूरे नियम से संचालित होने के साथ साथ यहां पर पदस्थ अधिकारी अपने मुख्यालय के कार्यालयों में बैठकर सेलरी प्राप्त कर रहे हो.. खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो पुलिस विभाग व भगवान ही जाने? मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिले के जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा निष्ठा के साथ प्रयास किये गये होते तो यह पुलिस चौकी अपने आस्तित्व में आ चुकी होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे अपराधों में गिराबट देखने मिल सकती थी। ऐसा नही है कि पुलिस विभाग में इन चौकियों का संचालन करने के लिये अधिकारियों की कमी है। क्योंकि अनेक टीआई से लेकर एस आई स्तर के अधिकारी पुलिस लाईन में थानों से लेकर पुलिस चौकियों में नैनाती के लिये प्रयास करते हुये देखे जा रहे है। मगर इसके बाद भी इन चौकियों में अधिकारियों की नियुक्ति के जगह लटकते हुये ताले अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की निष्ठावन कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहे है? क्योंकि इस समय जिस तरह जिले की कानून व्यवस्था को भगवान भरोसे चलते हुये देखा जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद अब क्षेत्र की जनता को जिम्मेदारों द्वारा अपने हाल पर छोड़ने का मन बना लिया गया है और इसी का परिणाम है कि जहां गांव गांव खुलेआम अवैध शराब से लेकर अन्य प्रकार के मादक पदार्थो को बाजार गर्म होने के कारण अवैधानिक कृत्यों में लिप्त रहने वाले आरोपी पुलिस की उदासीनता कही जावे गया फिर मिलीभगत के चलते जहां डोगरगांव थाना क्षेत्र में अनेक प्रकार के अपराधों का प्रकाश फैलाते हुये तो दूसरी ओर सांखेड़ा क्षेत्र में अपना एक अलग ही गौरव हासिल करने से नही चूक रहे है। क्योंकि राज्य शासन ने गाडरवारा तहसील क्षेत्र के चलते कानून व्यवस्था को दुरूस्त करने की सोच के चलते डोगरगांव पुलिस थाने के ग्राम कल्याणपर तथा सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत ग्राम बम्हौरी कला में नई पुलिस चौकियों की स्थापना की गई है। मगर जिम्मेदार अधिकारियों लेकर जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली को देखते हुये यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद गृह विभाग द्वारा घोषित की गई इन पुलिस चौकियों की घोषणा सिर्फ मंच तक ही सीमित होकर रह जावेगी।

नर्मदा में डूबने से दो मासूमों की मौत, खुरसीपार गांव में फैला शोक का महौल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि बच्चों की अनदेखी उनकी जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नह चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये बुधवार यानि की वैशाख अमावस्या के मौके पर समीपस्थ सांईखेड़ा थाने के अंतर्गत शोकलपुर नर्मदा घाट पर उस समय देखने मिली जब दो सग भाई बहिन की नर्मदा नदी में डूबने के चलते मौत हो गई। घटना के संबं में बताया जाता है कि ग्राम खुरसीपार निवासी कुछ लोग चल रहे वैशाख माह व अमावस्या के चलते नर्मदाजी शोकलपुर घाट स्नान करने के लिये गये हुये थें। उन्ही के साथ 7 वार्षिय हर्षित पिता दशरथ गुर्जर एवं कुमारी हर्षिता पिता दशरथ गुर्जर उम्र लगभग 11 वर्ष भी शामिल थें। जानकारी के अनुसार सात साल का हर्षित नर्मदाजी में नहाते वक्त जब अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा तो उसकी बहिन हर्षिता तथा एक अन्य दूसरी बहिन बचाने के लिये वह भी गहरे पानी में चली गई तो तीनों डूबने लगे। मगर बताया जाता है कि वहां पर मौजूद लोगों द्वारा एक अन्य बालिका को तो बचा लिया गया। मगर हर्षिता व हर्षित को बचाने में असफल रहे जिसके चलते दोनों मासूम भाई बहिन की मौत हो गई। इस तरह घटित हुई घटना की जानकारी मिलते ही जहां मौके पर लोगों का हुजूम लग गया। वही मासूमों की जिन्दगी बची होने की उम्मीद के चलते दोनों मासूमों को तुरंत शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा लाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किये जाने पर पुलिस द्वारा दोनों की शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर पोस्ट मार्टम उपरांत शव परिजनों को सौप दिये गये है। इस तरह दोनों भाई बहिन की मौत की खबर मिलते ही ग्राम खुरसीपार सहित संपूर्ण क्षेत्र में शोक का महौल देखने मिल रहा है।

ट्रांसफार्मर से आईल चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इन दिनों जहां एक ओर क्षेत्र के किसान अपने खेतों में लगाई गई मूंग व गन्ना सहित अन्य फसलों की सिंचाई करने के लिये बिजली से परेशान होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर खेतों में लगे हुये विद्युत ट्रांसफार्मरों से तेल या फिर अन्य प्रकार की सामग्री चोरी की घटनाओं के चलते किसानों की सिंचाई प्रभावित होने से नही चूक पा रही थी। इस तरह क्षेत्र में लगातार बढ़ रही विद्युत ट्रांसफार्मरों से आईल चोरी की घटनाओं को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र पटेरिया तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के निर्देशन में ट्रांसफार्मर से ऑईल चुराने वाले चोर गिरोह की खोजबीन की जा रही थी। इसी के चलते बीते हुये दिवस समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम भौरझिर निवासी राकेश पिता बम्हानंद पचौरी द्वारा अपनी शिकायत में बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके भौरझिर स्थित खेत पर लगे ट्रांसफार्मर के 70 लीटर ऑईल चोरी होने की सूचना पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये खोजबीन की जा रही थी। वही इसी प्रकार,प्रार्थी अभिषेक पिता यशवंत दुबे निवासी तिगवाँ ने अज्ञात चोरों द्वारा उनके खेत पर लगे ट्रांसफार्मर के 65 लीटर ऑईल चोरी कर काले रंग की डिस्कवर मोटर साईकल से भाग जाने के संबंध में लिखित शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया। इस तरह थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसफार्मर से ऑईल चोरी की घटनाओं एवं किसानों को हो रही परेशानी को मद्देनजर रखते हुये अज्ञात चोरों की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम गठित कर लगातार संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ एवं पूछताछ की गई । मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा ग्राम करहैया-भौरझिर रोड पर 04 संदेहीयान को घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ की गई। संदेह के आधार पर पकड़े गये इन आरोपियों में अमित पिता नेतराम साहू उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम कठौतिया, रघुवीर पिता वीरन कुशवाहा उम्र 27 वर्ष तथा राम बाबू उर्फ बडा भाई पिता रेवाराम कुशवाहा उम्र 30 वर्ष तथा दशरथ पिता मुन्ना लाल कुशवाहा उम्र 28 वर्ष तीनों निवासी ग्राम कहरैया को पकड़कर जब पुलिस द्वारा पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा अपने एक अन्य साथी गोपाल साहू के साथ मिलकर ग्राम भौरझिर एवं ग्राम तिगवाँ के खेतों में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर से आईल चोरी कर ट्रेक्टर में ईंधन के रूप में उपयोग किये जाने हेतु विपिन पिता बलराम साहू उम्र 20 वर्ष एवं राजाराम साहू निवासी करहैया को बेचना स्वीकार किये । इस तरह पुलिस द्वारा अआरोपियों से घटना में प्रयुक्त काले रंग की डिस्कवर मोटरसाईकल क्र.MP49MN 9165 व 30 लीटर के 03 खाली कुप्पे, आईल निकालने के लिये 02 पाईप, एक लोहे की हथौड़ी एवं बिना नंबर प्लेट का आईसर ट्रेक्टर जप्त किया गया है। तथा इनके पास पाई गई एक अन्य मोटर साईकल के दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ की गई । मोटरसाईकल के दस्तावेज न होने पर उक्त मोटरसाईकल का असल रजिस्ट्रेशन नंबर MP49MN 9195 होना पाया गया । इस तरह आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा अलग अलग धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये पाँचों आरोपीगण अमित साहू,रघुवीर कुशवाहा,रामबाबू उर्फ बड़े भाई कुशवाहा,दशरथ कुशवाहा एवं विपिन साहू को विधिवत गिरफ्तार कर मा न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिमार्ड पर लेकर पूछताछ की जा रही है जिसके चलते अन्य मामलों का खुलासा होने की संभावना है। वही इस प्रकरण के फरार आरोपी गोपाल साहू एवं चोरी के आईल खरीदने वाले आरोपी राजाराम साहू खोजबीन की जा रही है। ट्रांसफाम्ररों से आईचोरी करने वाली गिरोह को पकड़ने में नगर निरीक्षक उमेश तिवारी साथ चौकी प्रभारी सिहोरा उप निरीक्षक विजयपाल सिंह,आरक्षक विवेक ठाकुर , प्रधान आरक्षक कोमल सिंह यादव, धनीराम, आरक्षक कृष्णमुरारी गौर, आरक्षक बाल बिहारी रघुवंशी, सुजीत बागरी, रामसिंह का भी योगदान बताया गया है।

झोपड़ीनुमा भवनों में खुल रही शिक्षण संस्थाओं में नियमों को अनदेखा

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है। मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। वही दूसरी ओर छात्र छात्राओं को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं। किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहर के तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये मापदंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। इस तरह गांव गांव खोली जा रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते झोपडीनुमा मकानों व किराये के भवनों में बच्चों की सुविधाओं को दर किनार करते हुये खोली जा रही इन शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? क्योंकि शिक्षा विभााग के नियम के अनुसार बताया जाता है कि किसी भी शिक्षण संस्था का संचालन करने के लिये खेल मैदान सहित खुद का भवन होने

के आलवा बच्चों को बैठने के लिये हवा प्रवेश करने वाले कमरे व शौचालय से लेकर शुद्व पीने के पानी की व्यवस्था होना जरूरी होता है। मगर गांव गांव खुल रही इन संस्थाओं में यह जरूरी सुविधाये कोसो दूर तक दिखाई न देने के बाद भी शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा आंखे बंद करते हुये इन शिक्षण संस्थाओं को लक्ष्मी पूजन के आधार पर अनुमति प्रदान किये जाने से मासूम के भविष्य पर ग्रहण लगने से नही चूक रहा है? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है? जिसके चलते देखा जा रहा है कि आने वाले अप्रैल माह में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत हो चुकी है जिसके चलते स्कूलों द्वारा जिसके चलते इन स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की शुरू कर भी करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है?अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है। मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है और जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते है और उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल में फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है। इस तरह गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है। इस सब में मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैला रहे है। वही जिले के शिक्षा विभाग की तरफ से शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसा कोई प्रचार अभियान नही चलाया जा रहा है, जो शासकीय शालाओं के प्रति अभिभावकों में अनुराग जाग सके। इस तरह इस समय देखा जा रहा है कि गांव गांव खुल रही निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा शिक्षकों को लगातार लोगों के घरो घरो भेजकर सर्वे कराते हुये बच्चों को अपने स्कूलों में प्रवेश दिलानें के लिये प्रेरित करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि प्रशासन तंत्र में बैठे हुये जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इन स्कूलों की सच्चाई को जिस तरह नजर अंदाज करते हुये आंखे बंद की जा रही है इसी का परिणाम है कि गांव गांव फैल रहे निजी स्कूलों के मायाजाल में ग्रामीण फंसने से नही चूक रहे है? आज तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को इन निजी शिक्षण संस्थाओं को निरीक्षण करते हुये नही देखा गया होगा कि जिन शर्तो के तहत इन शिक्षण संस्थाओं को संचालित होने की अनुमति प्रदान की गई है वह संस्था में मौजूद है कि नही...?

गांव की सड़कों पर फैल रहा नालियों का पानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर।

जहां एक ओर शासन द्वारा लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हुए गांव गांवो पक्के शौचालयों का निर्माण कराने के साथ साथ स्वच्छता के नाम पर करोड़ो रूपया खर्च किये जा रहे है। वही दूसरी ओर देश प्रदेश में कोरोना महामारी फिर एक बार बढ़ते हुये क्रम में दिखाई देने के साथ आम लोगों को दहशत में डालने से नही चूक रही है। मगर वही दूसरी ओर गांवों की सड़को पर जिस प्रकार से बह रहे गंदे पानी के कारण गांवों में गंदगी का आलम देखने मिल रहा है उसके चलते शासन द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता की मुहिम को पंचायत द्वारा ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस सच्चाई को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि सिर्फ शौचालय बनबाने से क्या स्वच्छ भारत का सपना पूरा हो जायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखने मिल रही है जहां पर गांव की मुख्य सड़कों पर जिस प्रकार से कीचड़ का साम्राज्य फैला हुआ है उसको देखते हुये जहां पंचायत की कार्य प्रणाली उजागर होने से नही चूक पा रही है, वही दूसरी ओर ग्रामवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये भी देखा जा रहा है। बताया जाता है कि इन दिनों गांव के मुख्य मार्ग में गंदगी, कीचड़ व्याप्त होने से लोगों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव के मुख्य सड़क पर बह रहा नालियों का गंदा पानी सहित कीचड़ का साम्राज्य होने कारण आमजन को निकलना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते ग्रामवासियों का कहना है कि गांव में कीचड़ व्याप्त होने की समस्या से पूर्व में ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया गया किंतु सरपंच ने अभी तक इस समस्या को हल कराने में रूचि नही दिखायी, जिसका नतीजा है कि ग्रामवासियों को वर्तमान में कीचड़ युक्त रास्तों पर चलने मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर इस प्रकार से मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भरा रहने के कारण अनेक प्रकार के मच्छर भी जन्म ले रहे है, जिसके चलते बीमारियाँ फैलने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर इस समय लोग कोरोना वायरस की दहशत में दिखाई पड़ रहे है जिसके चलते सरकार द्वारा गांवों में अनेक प्रकार के प्रयास करते हुये लोगों को सुरक्षित रखने में जुटी हुई देखी जा रही है दूसरी ओर गांव की सड़को की इस सच्चाई निश्चित ही अनेक प्रकार के सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है।

खबर संक्षेप

डोला नगर इंटक कमेटी के अध्यक्ष बने बिजेन्द्र मिश्रा

अनूपपुर। मजदूर संगठन इंटक अब उद्योग से बाहर निकल कर ग्रामिण व नगरीय क्षेत्रों में अपना रूझान करते हुये अनूपपुर जिले कोयलांचल नगरी डोला नगर परिषद में मजदूरों के हित में काम करने के लिये अपने कार्यकर्ता की टीम तैयार कर उसका कमान नगर इंटक कमेटी अध्यक्ष बिजेन्द्र मिश्रा को सौपा है। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जी. संजीवा रेड्डी के मंशानुसार एवं मध्यप्रदेश इंटक के अध्यक्ष आर.डी. त्रिपाठी के निदेर्शानुसार अनूपपुर जिला इंटक अध्यक्ष बालेन्द्र सिंह परिहार के अनुशंसा पर मध्यप्रदेश इंटक के सचिव विक्रमा सिंह ने बिजेन्द्र मिश्रा ऊर्फ पंकज को डोला नगर परिषद में नगर इंटक कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया साथ ही डोला नगर परिषद कमेटी का विस्तार भी कर दिया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर नानसाय विश्वकर्मा, ज्ञानचन्द खरवार, नीलेश कटारे, बृजनन्दन वर्मा और महामंत्री पद पर राहुल सिंह चंदेल, विनय शंकर दुबे, रामजी आवन ऊर्फ मंजू मिस्त्री, कुंजन प्रसाद वर्मा कोषाध्यक्ष पद पर जगदीश खरवार वही सचिव पद पर दीपक पनिका, राजदेव टप्पो, अभिषेक सिंह, दमन विश्वकर्मा एवं संगठन पद पर मंत्री मन सिंह मिस्त्री, अनपूर्ण कोल, संतोष यादव, राकेश महरा सहित कार्यकारणी सदस्य में शारदा मरावी, सिरवन सिंह, हेमन्त सिंह/गुलाब सिंह, उपेन्द्र पाण्डेय, तेज बली /हरीलाल, देव प्रकाश पनिका, लालकोल/टहला कोल, रामकरण /बुद्धसेन, रविशंकर सिंह/ केशवसिंह, अनिल कुमार सिंह /केशर सिंह, पूरन प्रसाद कोल, त्रिलोकी प्रसद, काली चरण कोल, लालू प्रजापति आदि को शामिल किया है।

पत्रकार बीजू थॉमस ने किया रक्तदान

अनूपपुर। पीडित मानवता की सेवा के लिए रेड क्रॉस दिवस 8 मई के अवसर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर स्वप्रेरणा से सामाजिक कार्यकर्ता तथा डिजिटल माध्यम से कार्टून/ डिजिटल लघु फिल्म के माध्यम से संदेश देने वाले पत्रकार बीजू थॉमस द्वारा रक्तदान किया गया। उन्होंने रक्तदान करते हुए कहा कि रक्तदान जीवन का महादान है। मानव खून का कोई विकल्प नहीं है। हम एक यूनिट ब्लड दान कर किसी की जान बचा सकते है। इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान जैसे पुनीत काम में सहभागी बनना चाहिए। श्री थॉमस ने अन्य लोगों से भी रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश करने की अपील की है इस अवसर पर श्री थॉमस को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मारपीट की शिकायत पर नपे उपनिरीक्षक

अनूपपुर। नाबालिग लड़के को जबरन थाना लाकर उसके साथ मारपीट एवं गाली गलौच किए के मामले में नाबालिग के पिता कमलेश यादव निवासी ग्राम सीतापुर द्वारा की गई शिकायत के बाद बुधवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी ने थाना कोतवाली में पदस्थ उपनिरीक्षक मंगला दुबे को निष्पक्ष जांच के लिए लाइन ड्यूटी हेतु पुलिस लाइन अनूपपुर रवाना किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी ने बताया कि थाना कोतवाली में पदस्थ उपनिरीक्षक मंगला दुबे के खिलाफ गत दिनों पीडित के पिता द्वारा की शिकायत में कहा गया था कि 26 अप्रैल की रात उपनिरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, महेन्द्र राठौर, मनोज गुर्जर एवं वाहन चालक दिनेश पाटिल मेरे घर पहुंच कर कहा कि एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा ने तुम्हारे घर में रखी रेत के जप्ती की कार्यवाही हेतु भेजा है, जिसके बाद गाली गलौज करने लगे, जिसका वीडियो मेरा पुत्र बना रहा था, जैसे वीडियो बनते पुलिस वालों ने देखा तो मेरे पुत्र का मोबाइल छुड़ा लिया तथा उसके साथ मारपीट करने लगे।

ग्राम बिजोरा में नवीन नलजल योजना महीनों से ठप्प

कुआं का पानी हुआ मटमैला, शुद्ध पेयजल के लिए तय करना पड़ रही डेढ़ किमी की दूरी

हरिभूमि न्यूज बजाग। बैसाख महीने की भीषण गर्मी में कंठ तर करने के लिए लोगो को तरह तरह के जतन करने पड़ रहे है आदिवासी बहुल बैगांचल क्षेत्र में बजाग मुख्यालय सहित कई गांव भीषण जल संकट से जूझ रहे है विकास खंड में दर्जनों गांव ऐसे है जहा पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के बहुतायत गावों में जलजीवन मिशन योजना के तहत घर घर पाइप लाइन तो बिछा दी गई पर वहा के लोगो को भी बूंद बूंद पानी के लिए दिन और रात एक करना पड़ रहा हैं पर्याप्त और शुद्ध पेयजल की गांव गांव आपूर्ति करने वाली सरकारी योजनाएं जमीन पर दम तोड़ती नजर आ रही हैं क्षेत्र के दर्जनों गांव के ग्रामीण झिरिया का मटमैला या दूषित पानी पीने को मजबूर है ऐसे ही कुछ हालत मुख्यालय से सटे ग्राम बिजोरा के तालाबटोला के है जहा पर ग्रामीणों को पानी की उपलब्धता के लिए कहा जाए तो बाबा आदम के जमाने का एक मात्र झिरिया नुमा कुआ है इस कुएं की गहराई आठ मीटर के लगभग है जिसमे रात भर में सिर्फ दस से पन्द्रह बाल्टी मट मैला पानी ही जमा हो पता है और इतने कम पानी में मोहल्ले के बीस पच्चीस परिवार अपनी जरूरत पूरी नहीं कर पाते जब यहां के लोगो को पीने के लिए प्रयाप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नही हो पाता तब नहाने और कपड़े धोने के लिए दूर नदी तालाब जाना होता हैं इतने कम पानी में गुजारा नहीं हो पाने के कारण तालाब टोला के सैकड़ों लोगो को डेढ़ किमी की दूरी कर पीपरटोला के हैंडपंप पर पानी के लिए जाना पड़ता है ग्रामीण बताते है की वहा भी घंटो खड़े रहने के बाद ही पीने के लिए पानी नसीब हो पाता है पानी के चक्कर में लोगो की दिनचर्या में काफी असर पड़ रहा हैं गरीब परिवारों का काम धंधा चैपट हो रहा है लोगो को समझ नही आ रहा की पीने के पानी का जुगाड करे या फिर रोजीरोटी के लिए मजदूरी कर पेट पाले।तालाबटोला के भरोसा लाल,बीरान धुर्वे,लालसिंह पेंड्रो,धनीराम ने बताया की जल जीवन मिशन के तहत ग्राम में सड़क किनारे पाइप लाइन बिछाकर गांव मोहल्ले में पानी पहुंचाने का काम तो किया गया परंतु वह भी दो महीने चलने के बाद बंद हो गई ग्रामपंचायत के द्वारा नलजल की वसूली के लिए अधिकृत कर्मचारी के द्वारा गांव के लगभग अस्सी कनेक्सन धारियों से दो महीने का शुल्क भी वसूल लिया गया।अब बताया जा रहा हैं की बोर की मोटर खराब हो जाने के कारण पूरे गांव में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही हैं ग्रामीणों ने प्रशासन से पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करने एवं नलजल योजना में शीघ्र सुधार की मांग की है।

इनका कहना है

तालाबटोला में जलसंकट को देखते हुए पानी टैंकर से पानी सप्लाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों तक प्रस्ताव भेजा गया है।

-महेंद्र बघेल
सचिव ग्राम पंचायत भानपुर

कल्वर्ट पुलिया निर्माण में स्वीकृति से दोगुना राशि का भुगतान, लाखों रुपए का बंटाढार

पुलिया निर्माण हेतु स्वीकृत 9 लाख रुपये से अधिक 14 लाख रु का भुगतान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। डिंडौरी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कुई माल में स्वीकृत कार्यों के नाम पर स्वीकृति राशि से अधिक राशि व्यय किये जाने का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत कुई माल में पदस्थ सचिव श्यामलाल यादव ने वित्तीय नियमों को ठेंगा दिखाते हुए अनेको कार्यों में स्वीकृत राशि से दोगुनी राशि का भुगतान करते हुए पंचायत के खजाने में बेखौफ होकर हाथ साफ किया है,इस तरह के गंभीर वित्तीय अनियमितता किये जाने के बावजूद जिम्मेदार उच्च अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नही किया जाना मिलीभगत की और इंगित करता हैं। एक तरफ पंचायतों को आवंटित राशि का शत प्रतिशत सदुपयोग किये जाने हेतु शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश है कि विकास और वित्तीय लेखा जोखा की कढ़ाई से निगरानी की जाए,साल में अनेको बार लेखा परीक्षकों के द्वारा पंचायतों को आवंटित फंड का ऑडिट किया जाता हैं,जबकि इस तरह की गंभीर वित्तीय अनियमितता ऑन रिकार्ड होने के बाद भी मामला अधिकारियों के संज्ञान में न आना समझ से परे हैं।

-स्वीकृत राशि से दोगुनी राशि का किया भुगतान

ग्राम पंचायत कुई माल 2015 में जनभागीदारी योजना से स्वीकृति कल्वर्ट पुलिया निर्माण में फर्जीवाड़ा करते हुए शासन को पलीता लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कुई माल के सरपंच सचिव के द्वारा 2015 में जनभागीदारी मद से कलवर्ट पुलिया हेतु स्वीकृत 995000 से अधिव 1469698 रु व्यय किया गया है जबकि जनभागीदारी के तहत 25 फीसदी राशि का श्रम दान से कार्य कराया जाना था,उक्त कार्य हेतु मात्र 7 लाख 50 हजार रुपये आवंटित किया गया था लेकिन पंचायत का एकल खाता होने के कारण अन्य मदो की राशि का भुगतान सप्लायरों को किया गया है। ग्राम पंचायत को 2017 में परासी में सीसी रोड हेतु पंच परमेश्वर मद से स्वीकृत 4 लाख से अधिक 416430 रु व्यय किया गया है, इसी तरह 2018 में परासी में राज्य वित्त आयोग मद से कलवर्ट पुलिया हेतु स्वीकृत 2 लाख रुपये से अधिक 497637 रु का भुगतान सप्लायरों को करते हुए वित्तीय अनियमितता की गई हैं।

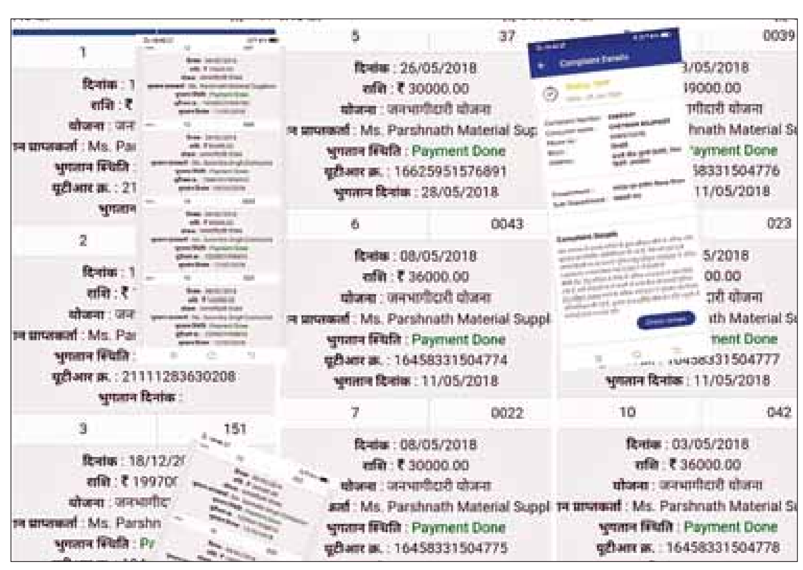

इनका कहना है.

कुईंमाल में हुए वित्तीय अनियमितता की आपके माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई हैं,उक्त मामले की लेखापाल से जाँच कराते हुए कार्रवाई की जायेगी।

-निखिलेश कटारे,
सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी

एसडीएम डिंडौरी ने अवैध कॉलोनी निर्माण पर जारी किया नोटिस

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन ने अवैध कॉलोनी निर्माण करने पर किरण खनूजा पिता ज्ञानचंद खनूजा के विरुद्ध नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार म०प्र० नगर पालिका (कॉलोनाइजर का रजिस्टीकरण, निबंधन तथा शते) नियम, 1998 के नियम 10 में नगरीय क्षेत्र में कोलोनाईजर द्वारा विकसित की गई, कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एव निम्न वर्ग के लिये भूखंण्डो/भवनों को आरक्षित रखने एवं उपयुक्त हितग्राहियों को आवंटित करने के प्रावधान रखे गये थे। इसी तरह दिनांक 13 जनवरी 2022 से प्रचलित म०प्र० नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 के नियम 10 से ऐसे वर्गों के लिये भूखण्डो/भवनों को आरक्षित रखने एवं नियम 11 में इनके विक्रय के लिये नीति निर्धारित की है।तहसीलदार डिण्डौरी से मौका जांच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें तहसीलदार डिण्डौरी द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि डिण्डौरी प.ह.न. 67 रा.नि.मं. डिण्डौरी तह. व जिला डिण्डौरी स्थित भूमि खसरा नंबर 273७१७6 रकवा 0.9800 हेक्टयर भूमि में से विक्रय किये गये भू-खण्ड विक्रय संख्या 11 पर किरण खनूजा पति श्री ज्ञानचद खनूजा निवासी गाम डिण्डौरी तहसील व जिला डिण्डौरी के द्वारा अवैध रूप से कालोनी निर्माण किया जाना पाया गया है। विक्रेताओं के द्वारा उक्त भूमि की विक्रय करने की अनुमति नहीं ली गई है। इसलिए आवेदित भूमि पर से भू-खण्ड का छोटे-छोटे टुकडों में विक्रय कर अवैध कॉलोनी का निर्माण किया है। संबधित द्वारा कालोनाइजर रजिस्ट्रकरण नहीं कराया गया है। जो कालोनाईजर एक्ट के विरूद्ध एवं अवैध कलौनी के श्रेणी में आता है। इसलिए एसडीएम डिंडोरी ने किरण खनूजा पिता ज्ञानचंद खनूजा के विरूद्ध नोटिस जारी कर 16 मई 2024 को दोपहर 12.00 बजे तक एसडीएम कार्यालय पहुंच कर समक्ष में उपस्थित हो संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिए है।

श्री कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

अनूपपुर।

जिला मुख्यालय स्थित कोतमा रोड सर लगन पैलेस के पास फत्ते राठौर लीला राठौर के निवास मे 4 से 11 मई तक संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमे 7 मई को श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कृष्ण जन्म के प्रसंग शुरू होते ही पांडाल में मौजूद श्रद्धालु नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजनों के साथ झूम उठे। कथावाचक पंडित मनीष गौतम शास्त्री ने कहा कि जब जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ता है, तब-तब प्रभु का अवतार होता है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। मनुष्य इस सांसारिक मोह में फस कर अपने जीवन को व्यर्थ गंवा देता है। मनुष्य अपने मन के कुविचारों को निकाल कर परमेश्वर का ध्यान लगाता है तो वह मोक्ष की प्राप्ति करता है। कथा के दौरान फूलों की होली खेली गई और भगवान श्री कृष्ण के जयकारों के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान कथा पंडाल को भव्य तरीके से सजाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने के लिए पहुंचे शाम को आरती कर प्रसाद वितरित की गई।

भ्रष्टाचार की लेप से तैयार हुआ सीसी रोड में दो माह में ही आई दरारें

जिम्मेदारों ने जमकर किया गडबड़झाला, कार्यवाही की मांग

राजेन्द्रग्राम।

आदिवासी आँचल जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत मुख्यालय से महज 7 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत अचलपुर मे बेसाहन के घर से रामफल के घर की ओर सीसी रोड निर्माण जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति लगभग 6 लाख रुपये की लागत से सरपंच /सचिव के निगरानी में निर्माण कार्य किया जा रहा था जिसमे स्टीमेट के विपरीत बेस में बिना रेत के ही डस्ट से निर्माण कराया जा रहा था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने संबंधित इंजीनियर से किया जिस पर इंजीनियर दुर्गा सिंह ने मौके पर जाकर देखा तो तुरंत सरपंच /सचिव को नोटिस जारी कर दिया कि रेत की जगह डस्ट का उपयोग किया जा रहा है इसे तुरंत तोड़वा कर रेत व 40 एमएम की गिट्टी से मिक्स कर के बेस डाला जाए तथा पत्र में जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी प्रतिलिपि के माध्यम से कागजी कार्यवाही हेतु भेजा गया किन्तु सरपंच सचिव अपने मोटी कमीशन को ताक में रखकर आनन फानन में डस्ट से ही पूरा सीसी रोड बेसाहन के घर से रामफल के घर तक बना दिए और सरपंच सचिव अपनी अपनी मोटी कमीशन की रकम भी ले चुके किन्तु जो मजदूर रात दिन मेहनत किये उनका मजदूरी अभी नही मिला वही भ्रष्टाचार की लेप से बना सीसी रोड जगह जगह फट चुकी है। निर्माण कार्य के प्रति सजग माने जाने वाले तेज तर्रार जनपद के नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नाक के नीचे इतना बड़ा भ्रष्टाचार हो जाना अजीब बात है। सीईओ से ग्रामीणों ने इस मामले मे सूक्ष्म जांच करवाते हुये दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना है

पानी की तराई कम हुआ है जिस कारण रोड फट गया है।

रामप्रसाद, सचिव
ग्राम पंचायत अचलपुर

वहां के पंच लोग काम करवाये है हम उन्ही लोगो को सौंप दिए थे वो लोग जाने।

कंधी सिंह, सरपंच
ग्राम पंचायत अचलपुर

मैं जाकर दिखवा लेता हूं। यदि गलत काम हुआ होगा तो कार्यवाही की जायेगी।

गणेश पाण्डेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी

विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में मदर टेरेसा अस्पताल में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर मदर टेरेसा अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने इस मौके पर कहा कि आज विश्व भर में विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया जा रहा है, इस वर्ष की थीम मानवता को जीवित रखना है। रेडक्रॉस सोसाइटी एक ऐसा संगठन है जो मानवीय गरिमा, पीड़ा को खत्म करने और कठिन जीवन स्थितियों का सामना करने वाले लोगों को चिकित्सा सहायता के लिए काम करता है। दूसरों की सेवा करने और दूसरों की मदद के लिए तैयार रहने के लिए मानसिकता की जरूरत है। यह मानवीय मूल्यों और संवेदनशील दृष्टिकोण का मामला है। सार्वजनिक सेवा इस भाव की मांग करती है। बेहतर सेवा वितरण का हमारा समग्र तरीका हर किसी के लिए मान्यता और सम्मान की भावना पैदा करेगा।कलेक्टर के सन्देश के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में, आयुष, महिला बाल विकास विभाग, आजीविका विभाग, शिक्षा विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से मदर टेरेसा अस्पताल परिसर में रेड क्रॉस के प्रयासों को सार्थक करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया।स्वास्थ्य कैंप के तहत शारीरिक और मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों की जाँच और उपचार किया गया। कैंप के लिए जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से भी बच्चों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यवस्था की। कैंप में मूकबधिर, दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, मानसिक और शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांग बच्चों ने स्वास्थ्य सेवा प्राप्त की। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मूकबधिर बच्चों के लिए स्पीच थेरेपी, दृष्टिबाधित बच्चों के आँखों की जाँच, श्रवणबाधित बच्चों के लिए कोक्लियर इम्प्लांट के सम्बन्ध में आवश्यक जाँच और उपचार प्रदान किये, आवश्यकता अनुसार बच्चों को दवाइयां दी गयी और रोगों की गंभीरता को देखते हुए कुछ बच्चों को पुर्नवास केंद्रों में भेजने की सलाह दी गयी, बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। एडीएम श्री सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह ने कैंप की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कैंप में कुल 293 मरीजों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया। जिनका स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया। जिसमें श्रवण बाधित (मूकबधिर) 118, नेत्र बाधित 15, सिकिल सेल के 121, अस्थि बाधित 22 और अन्य प्रकार के 17 रोगी हैं। उक्त दिव्यांग बच्चों का उचित उपचार किया गया। साथ ही 02 श्रवण बाधित रोगियों को सर्जरी हेतु चिन्हित किया गया है।

ज्ञात है कि प्रत्येक वर्ष की 8 मई को रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट के जन्मदिन की याद में मनाया जाता है, जिसके माध्यम से रेड क्रॉस के सिद्धांत मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वेछिक सेवा, एकता और सर्वभौमिकता को प्रोत्साहित किया जाता है।

खबर संक्षेप

गिरफ्तार हो पुजारी के हत्यारे, मुस्लिम समाज ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर । विगत दिवस करेली नगर में मदार टेकरी मंदिर के पुजारी हरिनारायण शर्मा की हत्या के विरोध में जामा मस्जिद कमेटी व मुस्लिम समाज करेली द्वारा ज्ञापन दिया गया । जिसमें अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने और कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की गई। विरोध प्रदर्शन में जामा मस्जिद पेश इमाम साहब, कमेटी सदर साहब सहित समाज के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे। ज्ञात हो कि विगत दिनों मदार टेकरी मंदिर के पुजारी की सोते समय किन्हीं अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी जिससे पूरा जिला स्तब्ध है। जिसे लेकर जामा मस्जिद कमेटी व मुस्लिम समाज करेली द्वारा ज्ञापन दिया गया ।

रेडक्रास दिवस पर याद किये गये सर हेनरी ड्रूनांट

नरसिंहपुर । बुधवार को जिला रेड क्रॉस कार्यालय में विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी ने सर हेनरी डूनांट को याद कर उनके योगदान की चर्चा की। इस अवसर पर एसडीएम नरसिंहपुर ने कहा पीड़ति मानवता की सेवा करना ही रेड क्रॉस का मुख्य उद्देश्य है। सभी से रेड क्रॉस से जुड़कर रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने की अपील की। उक्त अवसर पर तहसीलदार नरसिंहपुर, निशा सोनी , प्रमेश शंकर शर्मा , डॉक्टर आरके भट्ट, राजेंद्र सोनी, संगीता दीक्षित के अलावा अनेक लोग मौजूद थे। साथ ही अनेक स्थानों पर पक्षियों को पानी पीने के लिए जल पात्र लगाए गए।

नहाने के दौरान डूबने से भाई बहन की मौत

नरसिंहपुर । जिले की साईंखेड़ा थाना क्षेत्र के तहत आने वाले नर्मदा के सोकलपुर घाट में नहाने के दौरान डूबने से 8 और 12 वर्षीय भाई बहन की भाई बहन की मौत हो गई। दोनों शवो का परीक्षण गाडरवारा सिविल अस्पताल में कराया गया है। साईंखेड़ा पुलिस के अनुसार ग्राम खुसीपार निवासी हर्षिता गुर्जर पिता दशरथ गुर्जर 12 वर्ष और 10 वर्षी भाई हर्षित गुर्जर की डूबने से मौत हुई है। जबकि इनके साथ नहा रहे एक दो बच्चों को डूबने से बचाया गया है। फिलहाल इन बच्चों के नाम स्पष्ट नहीं हो पाए हैं

महिला एवं पुरूष नसबंदी शिविर आज

नरसिंहपुर । परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 9 मई- 2024 में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरूष नसबंदी (एनएसव्हीटी/ एलटीटी) फिक्स-डे सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। एलटीटी/ एनएसव्हीटी सर्जन जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर डॉ. इति चांदोलकर एवं सहायक सर्जन डॉ. नम्रता शुक्ला द्वारा जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में नसबंदी ऑपरेशन बुधवार एवं गुरुवार को किये जायेंगे। फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल पर मानकों के आधार पर सेवायें दी जावेंगी।

अलग - अलग स्थानों पर दो युवकों ने खाया जहर

नरसिंहपुर । गत दिवस खेत पर काम करने का गये युवक ने अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर लिया । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोविंद पिता नेहाल पटैल उम्र 21 वर्ष निवासी बरखेड़ा थाना स्टेशनगंज द्वारा खेत पर अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया जहां उपचार जारी है । वहीं दूसरे मामले मे हरिओम विश्वकर्मा पिता टीकाराम विश्वकर्मा उम्र 21 वर्ष निवासी झिरना थाना कोतवाली द्वारा घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया।

तेदूपत्ता संग्रहण मे हो रही देरी

20 हजार संग्राहकों की आय में मौसम बन रहा बाधा संग्रहण कराने की पूरी तैयारी में है प्रशासन

नरसिहपुर

जिले मे 21 समीतियों मे तेदूपत्ता संग्रहण का कार्य किया जता है जिसमे जिले के लगभग 20 हजार संग्राहक अपने संग्रहण कार्ड पर तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य करते है । प्रतिवर्ष संग्राहकों की घटती बढ़ती रहती है । वही संग्राहकों की आय मे मौसम बाधा डाल रहा है हालाकि प्रशासन द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण को लेकर सभी आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कर ली गई । अनुमान यह लगाया जा रहा है कि यदि मौसम साफ रहा तो संभवतः 10 मई से संग्रहण का कार्य प्रारंभ किया जा सकता है ।

तेंदूपत्ता पर मौसम की मार

मौसम की मार इस बार तेंदूपत्ता मजदूरों की आय पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है। तेज गर्मी के बीच पिछले दिनों रह. रहकर हो रही बारिश से तेंदूपत्ता माता रोग की चपेट में आया है। नमी रहने से पत्ता लाल लहरिया हो गया है और उस पर कीटों का भी प्रकोप नजर आ रहा है। हालांकि अभी वन विभाग द्वारा तेंदूपत्ते की तुड़ाई और संग्रहण का कार्य अधिकृत रूप से शुरू नहीं कराया गया है, लेकिन तेंदूपत्ता संग्राहक पूरी तैयारी मे है। जिले 21 वन समितियों के माध्यम से तेंदूपत्ता की तुड़ाई और खरीदी का कार्य कराया जाता है। प्रतिवर्ष होने वाले इस कार्य में जिले में अंचल में 20 हजार ज्यादा मजदूर सीधे तौर पर जुड़े हैं। ये मजदूर गर्मियों के दिनों में जंगलों से तेंदूपत्ता तोड़ते हैं और उसे वन समितियों के फड़ पर जमा कराते हैं। इसके बदले में उन्हें प्रति मानक बोरा निर्धारित राशि मिलती हैं। साथ ही तेंदू पत्ता की नीलामी से वन विभाग को होने वाले मुनाफे का अंश इन मजदूरों को बोनस के रूप में दिया जाता है।

27 सौ मानक बोरा का लक्ष्य

गर्मियों के दो ढाई महीनों में जंगलों से सटे गांवों के मजदूर शहरों में जाना बंद कर इस काम में लग जाते हैं। वन विभाग में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए विभाग द्वारा परिक्षेत्रों की कुल 21 समितियों में से 21 का निर्धारण कर लिया गया है जबकि शेष के लिए अभी संग्राहकों की भूमिका तय की जाना शेष है। रह, रहकर हो रही बरसात के कारण तेंदूपत्ता तुड़ाई और संग्रहण का काम इस बार विभाग द्वारा अभी शुरू नहीं कराया गया है। गर्मियों में मौसम में होने वाली तेंदूपत्ता तुड़ाई के दौरान अकेले एक लाख, तीस हजार मानक बोरा पत्ता इकत्रित किया जाता है।

अच्छे पत्ते आने के आसार

तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य जिले भर में लगभग 21 समितियों के माध्यम से किया जाता है। वही इस कार्य में लगभग 20 हजार संग्राहक संलग्न है, वही तेंदूपत्ता तुडाई वन विभाग द्वारा अभी तक शुरू नहीं की गई है। जिसके चलते वे मजदूर परिवार जो बाहर से काम कर वापिस जिले में तेंदूपत्ता तोड़ने के कार्य में संलग्न होते है, वे निराश हुए है, इनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। वही वन विभाग के अनुसार शीघ्र ही पत्ता तुड़ाई का कार्य किया जायेगा। नरसिंहपुर जिले भर में मौसम खराब होने और रूक-रूककर हो रही बारिश के चलते तेंदूपत्ता कीट की चपेट में आ गया है, हालांकि पूरी तरह से पत्ते खराब नहीं हुए है, लेकिन वन विभाग पत्ता तुड़ाई के पूर्व सावधानी बरत रहा है। विशेषज्ञ बताते है, कि तेंदूपत्ता तेज गर्मी के मौसम में अच्छा होता है, बीते दो दिनो से पड़ रही गर्मी को देखते हुये अच्छे पत्ते आने के आसार बने हुये है ।

इनका कहना है

यदि मौसम सामान्य रहा तो तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य एक या दो दिन मे प्रारंभ किया जावेगा। मौसम की खराबी के कारण पत्ता खराब हुआ है और संग्रहण मे भी विलंब हुआ है।

लवित भारती, डीएफओ

नरसिंह जयंती को लेकर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर । इस वर्ष भी नरसिंह जयंती हर्ष उल्लास और उमंग के साथ 22 मई को मनाई जाएगी । नरसिंह जयंती को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। साथ ही नरसिंह मंदिर में भगवान श्री गणेश की मूर्ति के स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने पर 25 मई को अनेक कार्यक्रम होंगे। जयंती समारोह को मनाने की तैयारी के संबंध में बीते दिवस जाट युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जाट युवा मोर्चा के साथ श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट व अन्य सामाजिक , धार्मिक संगठनों के भी सदस्य और पदाधिकारी भी मौजूद थे। बैठक के प्रारंभ में जाट युवा मोर्चा द्वारा कार्यक्रम की तैयारी के संबंध और निर्धारित कार्यक्रमो की जानकारी दी । सभी से सुझाव मांगे गए। अनेक लोगों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए और सभी वर्गों की सहभागिता से जयंती समारोह 22 मई को मनाए जाने का निर्णय लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 22 मई को सुबह 5 बजे नरसिंह प्रभात फेरी के द्वारा प्रभात फेरी निकाली जाएगी। सुबह 8.30 बजे से 11.30 बजे तक भगवान श्री नरसिंह का अभिषेक, भजन, दोपहर में 2 बजे से भंडारा, वहीं शाम 4 बजे से वाहन रैली निकाली जाएगी । नरसिंह मंदिर से प्रारंभ होकर यह रैली शहर के विविध मार्ग से होते हुए नरसिंह मंदिर में ही रैली का समापन होगा और आतिशबाजी की जाएगी । रैली में भगवान नरसिंह की विशाल प्रतिमा को एक वाहन में विराजित किया जायेगा। रैली के उपरांत शाम 6.45 बजे धूमधाम से प्राकाट्योत्सव , महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण होगा । जाट युवा मोर्चा ने बताया कि प्राकाट्योत्सव में श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट, अनेक धार्मिक.सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी। नरसिंह जयंती 22 मई को नरसिंह मंदिर तलघरा में मुख्य आधार खंभ के दर्शन भी लोग कर सकेंगे।

कलेक्टर ने किया पुस्तक मेले का उद्घाटन, बच्चों से की चर्चा

नरसिंहपुर । एक दिवसीय जिला स्तरीय पुस्तक मेले का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में फीता काटकर किया गया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि यह गंभीर बात है कि शिक्षा जैसी बेसिक चीज के लिए नए- नए निर्देश, नियम, प्रयत्न एवं नवाचार करने पड़ रहे हैं। जब सभी वस्तुएं बाजार से खरीदी जा सकती हैं, तो पुस्तकें क्यों नहीं। उन्होंने स्कूल संचालकों से अपील की आप भी प्रणेता है, आर्थिक रूप से एकाधिकार को खत्म कर सुव्यवस्थित तंत्र को लोकतांत्रिक अनुसार चलने में अपनी लीडरशिप दिखाए। स्कूली बच्चों के अभिभावकों को प्रतिस्पर्धी और न्यूनतम दर पर किताबें उपलब्ध कराने में जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है।

अमावस्या पर सत्तू किया वितरित

नरसिंहपुर । वैशाख मास की सतुआईं अमावस्या पर मिलन समिति कार्यालय में सत्तू वितरण का शुभारंभ देश के ख्यातिलब्ध कवि गुरुप्रसाद सक्सैना (सांड नरसिंहपुरी के मुख्य आतिथ्य में समिति के संरक्षक द्वय एस के चतुवेर्दी एवं नीलेश जाट, डा अनंत दुबे, अध्यक्ष संजय राय, सचिव छोटू पटेल, गोपालपुरी गोस्वामी, हेमराज विश्वकर्मा, हेमराज कलमकार, विवेक सक्सैना, अजय सोनी, दीपक रामावत, डा, बलराम की विशेष उपस्थिति में किया गया। जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सत्तू ग्रहण किया। मिलन समिति द्वारा वैशाख मास में बेल शर्बत वितरण किया जाना है। यह जानकारी समिति द्वारा दी गई।

हनुमंत कथा स्थल नवलगाँव में हुआ भूमिपूजन

नरसिंहपुर

गत दिवस ग्राम नवलगांव मे श्री हनुमंत कथा स्थल को भूमि पूजन किया गया । ज्ञात हो कि बागेश्वर धाम के संत पं. धीरेन्द्र जी शास्त्री के मुखारबिंद से श्री हनुमंत कथा का आयोजन नजदीकी ग्राम नवलगाँव में दिनांक 06 जून से 10 जून 2024 तक होगा, जिस पर कथा स्थल पर भूमिपूजन व सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया । आयोजक एड. अजय लोधी, प्रांजल दुबे व उनकी समस्त मित्रमण्डली ने सभी कथा प्रेमी से उपस्थित होकर धर्मलाभ उठायें ।

तेज रफ्तार कार सड़क किनारे बाडी तोड़ते हुए पलटी कार

नरसिंहपुर । सांकल होते हुए नरसिंहपुर जोड़ने वाले मार्ग पर देर रात कार पलट गई, जिसके चलते कार सवार सभी लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार कार रहली एवं खोबी के बीच खेत की बाड़ी तोड़ते हुए पलट गई, इस हादसे में सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से गोटेगांव समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और रास्ते से गुजर रहे अन्य वाहन भी रुक गए। लोगों ने तुरंत घायलों की मदद की और पुलिस सहित 108 एंबुलेंस को भी फोन कर बुलाया। मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वही गंभीर घायल को गोटेगांव के निजी अस्पताल श्रीधाम हॉस्पिटल ले जाया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता का अभाव

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समीपी ग्राम मेंहदा खैरी से डोभी तक बन रही सड़क इन दिनों चर्चाओं में बनीं हुई है। कुछ ही समय पूर्व यहां के लोगों ने सड़क निर्माण को लेकर जो मटेरियल के भारी-भरकम डम्फरों के कारण सड़क खराब होने पर आपत्ति जताई थी वहीं ग्राम के लोगों ने अब कलेक्टर नरसिंहपुर को अपना एक लिखित ज्ञापन सौंपकर कर स्पष्ट किया है कि यह जो सड़क बनाई जा रही है। उसमें गुणवत्ता को ताक पर रखा जा रहा है। तथा नीचे जमीन को खोदे बगैर ही सड़क बनाना शुरू कर दिया है। खेतों से सड़क जमीन की निचाई काफी कम है और आने वाली बरसात के समय में खेतों की यही मिट्टी सीधी कटकर सड़क पर आयेगी। जिससे बरसात में वाहनों और आम आदमियों को निकलने में परेशानी होगी। अधिक बारिश में जलभराव की स्थिति भी निर्मित हो सकती है।सड़क को इन खेतों की ऊंचाई को ध्यान में रखकर ही बनानीं चाहिए। सड़क के बाजू से साइड पट्टी भी दोनों तरफ कम छोड़ी गई है।ऐसी स्थिति में वाहनों को क्रासिंग में परेशानी हुआ करेगी। हितों को ध्यान में रखकर ही यह सड़क बनाई जानी चाहिए। निर्माण एजेंसी को तत्काल प्रभाव से ग्राम वासियों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए यह निर्माण कार्य करवाना चाहिए।

आदिवासी क्षेत्रों में बनी हुई है पेयजल समस्या

तेंदूखेड़ा

चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में पेयजल की गंभीर स्थिति बनी हुई है।नदी किनारे बैठे हुए लोग भी पेयजल के लिए तरस रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को मर्रावन इमलिया खकरैडी ब्रम्हनी के लोगों ने बताया कि उनके यहां पेयजल आपूर्ति की गंभीर स्थिति है। संबंधित ठेकेदार गांव में पाइप लाइन तो बहुत पहले बिछाकर चला गया लेकिन पानी की सप्लाई आज तक नहीं हो पाई है। पुराने गड्ढों से ही लाइन जोड़कर किसी भी तरह से पानी पंहुचाया जा रहा है। लेकिन वह भी हर घर तक नहीं पंहुच रहा है। ग्राम के सरपंच का कहना है कि पूर्व मे जो गड्ढा किया गया था उसमे से पानी न निकलने की स्थिति मे दूसरा गड्ढा खोदा गया था। जिसमें लाइन डाली गई लेकिन उसमें जो विद्युत मोटर डाली गई है वह सात की जगह दो-तीन हॉर्स पॉवर की ही डाल रखी है। जिस कारण से वह पानी नहीं फेंक पा रही है। यहां पर 24 लाख की योजना मे मात्र अभी तक 12 लाख ही खर्च हुये है। गांव के लोगों को दो से चार होना पड़ता है तब कहीं दूर से हेंडपंपो के माध्यम से पानी लाकर प्यास बुझानी पड़ती है। स्थिति यह बनी हुई है कि मर्रावन में 24 लाख रुपए की नल जल योजना से काम कराया गया है लेकिन अभी तक आधा ही काम हो पाया है उसमें भी कहीं पाइप लाइन टूटी पड़ी हुई है तो कहीं बाल खराब है। गांव के लोगों को पेयजलापूर्ति नहीं हो पा रही है। ग्राम के सरपंच ने भी पी एच ई विभाग के अधिकारियों को लिखित में जानकारी उपलब्ध कराई गई है फिर भी कोई सुधार ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। चूंकि यही स्थिति खकरैडी ब्रम्हनी में भी बनीं हुई यहां पर सेप्रेट लाइन डाली जानी है लेकिन यहां पर भी काम ना होने की स्थिति में लोग परेशान बनें हुए हैं।

मौआखेडा में काम ही प्रारंभ नहीं हुआ

मर्रावन ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले छोटा और बड़ा मौआखेडा में अलग से लाइन डालने का टेंडर हुआ है फिर भी वहां पर अभी तक काम ही प्रारंभ नहीं हुआ है। केवल गड्ढे ही किये गये लेकिन उनमें पानी ना होने के कारण गड्ढे शोभा कर सुपारी बने हुये है। ठेकेदारों की चलती मनमानी के कारण लोग पानी के लिए परेशान हैं तथा अधिकारी वर्ग ध्यान तक नहीं दे रहे हैं। विकासखंड स्तर के अधिकारियों को वस्तु स्थिति का बोध ना होने की स्थिति मे पेयजल समस्या और बिगड़ती चली जा रही है। ग्रामीणों ने तत्काल प्रभाव से पेयजल व्यवस्था को सुचारू कराये जाने की मांग की है।

सर्रा बंधी मे लाइन बिछादी नहीं बनी टंकी

विकासखंड चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले सर्रा बंधी मे लगभग आधे करोड़ रू. की लागत से अलग अलग स्थानों पर पानी की टंकी बनाकर लाइन बिछाई जानी है। यहां पर संबंधित ठेकेदार द्वारा गांव की सड़के खोदकर पहले लाइन तो डाल दी गई थी लेकिन अभी टंकी का निर्माण पूर्ण नहीं हो पाया है। चूंकि लाइने जहां तहां से टूट फूट रहीं है। पेयजल समस्या को देखते हुये यहां के सरपंच ने एक ट्यूबेल से इन लाइनों के माध्यम से पानी के लिये प्रयास किये थे। लेकिन लाइन मे जहां तहां लीकेज होने के कारण पानी ना पंहुचने की स्थिति मे आगे बात नहीं बढ़ सकी। बल्की गांव मे कीचड़ पूर्ण माहौल और निर्मित हो गया था। चूंकि यह स्थिति संपूर्ण विकासखंड की कुछ इसी तरह से बनी हुई है और यहां पर विकासखंड स्तर के जो पीएचई के अधिकारी है उन्हें इस मामले मे कोई वस्तु स्थिति की कोई जानकारी नहीं है। जिसका फायदा संबंधित ठेकेदारों द्वारा उठाया जा रहा है। ग्रामीणों ने तत्काल प्रभाव से मांग की है कि इन ठेकेदारों पर सिकंजा कसते हुये जानकार अधिकारियों को ही चांवरपाठा विकासखंड मे भेजा जाये।

पूर्व में विधायक ने भी अधिकारियों को कराया था अवगत

सबसे बड़ा सोचनीय विषय तो यह है कि गर्मी शुरू होने के पूर्व ही क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने प्रत्येक गांव मे मूलभूत सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुये पेयजल हर संभव मुहैया कराये जाने की दिशा मे वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था।

40 बिजली कर्मियों को कार्यदक्षता पर किया सम्मानित

करेली

जिले के करेली उपसंभाग में विद्युत विभाग द्वारा लाईन एवं कार्यालयीन कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के उपसंभाग में अतिउत्कृष्ट कार्य करने वाले 40 कायालीन कर्मचारियों एवं फील्ड लाईनमैनो को कृष्णा होटल करेली में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समर्पित भाव से कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले 40 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र सौंपकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जिले के अधीक्षण अभियंता अमित चौहान ने बताया कि विद्युत मंडल/कम्पनी की प्रथम पंक्ति में खड़े कर्मचारियों द्वारा विगत वित्तीय वर्ष 2023- 24 में चुनावी वर्ष के समय विद्युत व्यवस्था बनाए रखते हुए राजस्व वसूली में किए गए उत्कृष्ट कार्य को आज सराहा गया है। कंपनी प्रबंधन में उनकी महत्व को रेखांकित किया है ऐसे लाईन स्टाफ तथा कायालीन स्टॉफ अपने घर परिवार की चिंता छोडकर विद्युत लाईनों के रख रखाव एवं मेंटनेन्स सहित ऑफिस आदि के कार्य में लगे हुये है एवं कंपनी के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त किया गया ऐसे लाईन श्रमिकों के कार्य को आज मंच के माध्यम से सराहना करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहे है। कंपनी प्रबंधन ने ऐसे कार्यक्रम भविष्य में जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम का संचालना कनिष्ठ अभियंता करेली ग्रामीण रवि कुमार सोनी एवं आभार प्रदर्शन पीके लोधी सहायक अभियंता बरमान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में करेली उपसंभाग के सहायक अभियंता राहुल पटेल, सहायक अभियंता आमगांव आशुतोष दुबे, कनिष्ठ अभियंता करेली शहर दीपक रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में तकनीकी कर्मचारियों को विद्युत सुरक्षा के मापदंड भी बताये गये।

रेडक्रास दिवस पर व्याख्यानमाला आयोजित

नरसिंहपुर । बुधवार को स्थानीय स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई द्वारा संयुक्त रूप से संस्था प्राचार्य डॉ.ममता शर्मा के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई कार्यक्रम अधिकारी प्रो. ज्योत्सना झारिया के मार्गदर्शन में विश्वरेडक्रॉस दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में प्रो.तरुण नाथ , मनोविज्ञान शासकीय कन्या ऑटोनॉमस महाविद्यालय सागर द्वारा रेड क्रॉस की स्थापना उसके कार्य एवं उद्देश्य पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रो.सुधा शाक्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी प्रो. ज्योत्स्ना झारिया द्वारा भी व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। आभार प्रदर्शन दलनायिका शिखा वर्मा एवं सह दल नायिका राशिका चौरसिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चांदनी मेहरा , निधि जाटव , श्रुति गुप्ता , चरनप्रीत कौर , नेहा चौधरी , माधुरी यादव , रागिनी राजपूत , शिवानी सेन, जिया पटैल,गौरव गोस्वामी, दिव्या श्रीवास, अभिषेक साहू , राजा पटेल , सबिया बानो आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।